लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 22 November 2022

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : स्थापना दिवस को लेकर कुलपति ने ली बैठक

लखनऊ। आगामी 25 नवंबर को लखनऊ विश्वविद्यालय अपना 102वां स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से मनाने की तैयारी में लगा है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सोमवार को संबंधित कमेटियों के अध्यक्षों के साथ बैठक कर तैयारियों की जानकारी ली।

एलयू में स्थापना दिवस की तैयारी।

प्रो. राय ने बताया कि लविवि एनईपी को लागू करने वाला पहला विवि है। शैक्षणिक सुधारों, छात्र केंद्रित गतिविधियों, आईसीटी के साथ कक्षाओं का डिजिटलीकरण किया है। समाज से जुड़कर सस्टेनेबल इकोसिस्टम बनाया है। यही वजह रही कि हमें नैक में ए प्लस प्लस ग्रेडिंग मिली है। उन्होंने कहा कि विवि अपने शिक्षकों व विद्यार्थियों को बेहतर सुविधा व व्यवस्था देकर पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था प्राप्त करने में योगदान देगा। विवि में छात्रों की संख्या और प्लेसमेंट भी बढ़ा है। (माई सिटी रिपोर्टर)

अबेकस पर सभी कॉलेजों को डाटा अपलोड करना अनिवार्य : डॉ. सुधीर

लखनऊ। राजधानी के राजकीय, सहायता प्राप्त व प्राइवेट डिग्री कॉलेजों को अपने शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों का डाटा एकेडमिक बैंक फॉर कॉलेज एंड यूनिवर्सिटी (अबेकस) पर अपलोड करना अनिवार्य है। क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. सुधीर कुमार की ओर से सभी संबंधित कॉलेजों के प्राचार्यों को पत्र भेजकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

जारी पत्र में कहा गया है कि सभी विश्वविद्यालय व महाविद्यालय अपने संबंधितों का डाटा जल्द से जल्द अपलोड करें। सभी को लॉगिन-पासवर्ड भी दे दिया गया है। डॉ. सुधीर कुमार ने कहा कि काफी कॉलेजों ने पंजीकरण तो करा लिया है लेकिन सूचनाएं नहीं अपलोड की है। ऐसा न करने पर उनका वेतन रोकने की कार्रवाई की जाएगी। वहीं लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध काफी कॉलेजों ने भी अपना डाटा नहीं अपलोड किया है। विवि प्रशासन ने भी संबद्ध कॉलेजों को पत्र भेजकर इसे अपलोड करने को कहा है। रजिस्ट्रार संजय मेधावी ने बताया कि राजकीय व एडेड कॉलेजों ने डाटा फीड किया है। प्राइवेट कॉलेजों से उनका डाटा मंगवाकर यूनिवर्सिटी में फीड किया जा रहा है। जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू: पूर्व छात्र करेंगे दास्तानगोई, नृत्य होगा खास

स्थापना दिवस

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय का 102 वां स्थापना दिवस खास होने वाला है। 25 नवम्बर को मनाए जाने वाले स्थापना दिवस पर एक तरफ जहां छह पूर्व छात्रों को सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई थी वहीं दूसरी ओर अब साफ हो गया है कि एलयू के पूर्व छात्र नृत्य, गायन और दास्तानगोई जैसी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे। इसके साथ ही लखनऊ विश्वविद्यालय का मालवीय सभागार नवीनीकरण के बाद स्थापना दिवस के लिए खोला जाएगा। जिसमें समारोह का आयोजन होगा।

स्थापना दिवस: मदन मोहन मालवीय की पेंटिंग लगेगी

मालवीय सभागार का नवीनीकरण के लिए बीते अप्रैल माह में बंद कर दिया गया था। स्थापना दिवस पर मालवीय सभागार को खोला जा रहा है। सभागार में मदन मोहन मालवीय की एक पेंटिग आर्ट्स कॉलेज के छात्रों ने ही तैयार की है।

मालवीय सभागार का नवीनीकरण हुआ।

लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीते तीन सालों में एलुमिनाई को काफी मजबूत किया है। स्थापना दिवस में कला के क्षेत्र में नाम कमाने वाले पूर्व छात्राओं को सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देने के लिए बुलाया गया है। पूर्व छात्रा रितुपर्णा अपने दल के साथ भरतनाट्यम की प्रस्तुति देंगी। इसके साथ ही शाजिया और शुजाउर्रहमान दास्तानगोई में शतरंज के खिलाड़ी से रू-ब-रू कराएंगे। वहीं पूर्व छात्र रहे कवि पंकज प्रसून काव्य पाठ करेंगे। इसके अलावा

शिक्षकों की संख्या में 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई

एलयू की स्थापना 1920 में हुई। 100 साल में पहली बार एलयू को नैक ए डबल प्लस ग्रेड प्लस मिला। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सोमवार को उपलब्धि गिनाते हुए कहा कि शैक्षणिक सुधारों, आईसीटी के साथ कक्षाओं का डिजिटलीकरण, छात्र केंद्रित गतिविधियों, आदि पहलों से विश्वविद्यालय में एक एक सस्टेनेबल इकोसिस्टम का निर्माण हुआ जो रैंकिंग, भर्ती, प्रवेश, प्लेसमेंट समेत प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों में दिखता है। कुलपति ने बताया कि शिक्षकों की संख्या में 30 प्रतिशत बढ़त दर्ज की गई। छात्र-शिक्षक अनुपात में सुधार हुआ है।

NBT PAGE 4

पांच दिसंबर से शुरू होगा पीएचडी कोर्स वर्क

एनबीटी सं, लखनऊ : एलयू में पीएचडी मनो विज्ञान सत्र में 2021-22 के लिए कोर्स वर्क कक्षाएं पांच दिसंबर से शुरू होंगी। पीआरओ प्रो.दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि कार्स वर्क कक्षाएं शुरू होने से पहले विद्यार्थियों को अभिलेख का सत्यापन कराना होगा। सत्यापन के लिए तीन दिसंबर की सुबह 11:30 बजे मनो विज्ञान विभाग में पहुंचना होगा।

THE PIONEER PAGE 3

Preparations underway on Monday for Lucknow University Foundation Day and convocation programmes — Pioneer

JAGRAN CITY PAGE III

लवि मिट्टी से तैयार करेगा सस्ता वाटर फिल्टर

अखिल सक्सेना, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) जल्द ही मिट्टी (क्ले) आधारित सस्ता वाटर फिल्टर तैयार करेगा। मिट्टी व अन्य प्राकृतिक एवं हल्के रासायनिक पदार्थ मिलाकर बनाए जाने वाले इस फिल्टर को बिना बिजली के गांव के लोग भी उपयोग में ला सकेंगे। इसके लिए राज्य सरकार की रिसर्च एंड डेवलपमेंट योजना के तहत भौतिक विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. सीआर गौतम को रिसर्च प्रोजेक्ट मिला है। वह जल्द ही इस शोध पर कार्य शुरू करेंगे।

रिसर्च एंड डेवलपमेंट योजना के तहत इस बार लवि के 10 शिक्षकों को शोध प्रोजेक्ट के लिए बजट मिला है। इनमें भौतिक विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. सीआर गौतम का नाम भी है। 'वाटर फिल्टरेशन व गैस सेंसर के लिए

लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के शिक्षक डा. सीआर गौतम को मिला रिसर्च प्रोजेक्ट

प्रधान अन्वेषक व प्रो. एसपी सिंह सह प्रधान अन्वेषक हैं।

डा. गौतम बताते हैं कि बाजार में पानी फिल्टर करने के कई विकल्प उपलब्ध हैं, लेकिन वे महंगे, अधिक ऊर्जा उपभोगी होने के कारण ग्रामीणों के लिए सुलभ नहीं हैं। फिल्टरेशन के दौरान ज्यादातर पानी बेकार चला जाता है। इसको ध्यान में रखते हुए सस्ता वाटर फिल्टर तैयार करेंगे। शोध में मिट्टी के साथ-साथ अन्य प्राकृतिक एवं हल्के रासायनिक पदार्थ मिलाकर ऐसा पदार्थ तैयार किया जाएगा, जिसमें छिद्रता घनत्व ज्यादा हो। इससे वाटर फिल्टर क्षमता बढ़ जाएगी। शोध के लिए सालिड स्टेट रिएक्शन मेथड से काम करेंगे। इसके माध्यम से निर्मित

पीएचडी कोर्स वर्क शुरू करने की तिथि तय

लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग और मनोविज्ञान विभाग ने कोर्स वर्क शुरू करने की तिथि तय कर दी है। भौतिक विज्ञान में पीएचडी कोर्स 28 नवंबर से शुरू होगा। विभागाध्यक्ष प्रो. एनके पांडेय ने इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया। इसके अलावा इंट्राडिपार्टमेंटल कोर्स की कक्षाएं भी 28 नवंबर से शुरू हो जाएंगी। इसकी समय सारिणी वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। वहीं, पीएचडी (मनोविज्ञान) सत्र 2021-22 की कोर्सवर्क कक्षाएं पांच दिसंबर से समय सारणी के अनुसार प्रारंभ होंगी। अभिलेख सत्यापन के लिए छात्रों को तीन दिसंबर को सुबह 11:30 बजे मनोविज्ञान विभाग में उपस्थित होना होगा।

: इस वाटर फिल्टर को पोर्टेबल बनाया जाएगा ताकि इसे कहीं भी आसानी से ले जाया जा सके। शोध पूरा होने के बाद विभाग इसका पेटेंट भी कराएगा। इसके अलावा छिद्रित होने के कारण मिट्टी आधारित कंपोजिट पदार्थ का उपयोग गैस एवं आर्द्रता सेंसिंग (संसूचक) के रूप में शोध प्रोजेक्ट मिले हैं। इनमें लवि के 10 शिक्षकों के लिए 27,43,350 रुपये की स्वीकृति मिली है। प्रो. राजीव पांडेय, प्रो. मोनिषा बनर्जी, डा. सुचित स्वरूप, डा. मो. इजराइल अंसारी, डा. मीनल गर्ग, डा. कुसुम यादव, डा. मनोज कुमार, डा. राकेश कुमार सिंह को पुराने शोध को आगे

लवि : एमबीए की सीटें खाली, स्पाट काउंसिलिंग से मौका

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) के इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट साइंस (आइएमएस) में संचालित एमबीए पाठ्यक्रम में अभी 163 खाली हैं। इन खाली सीटों को भरने के लिए जल्द ही स्पाट काउंसिलिंग आयोजित की जाएगी। हालांकि इसमें उन्हीं अभ्यर्थियों को प्रवेश का मौका दिया जाएगा, जिन्होंने लवि की प्रवेश परीक्षा पास की है। एक से दो दिन में इसके विस्तृत निर्देश जारी किए जाएंगे।

एमबीए में 480 सीटें हैं। अब तक एमबीए फाइनेंस एंड कंट्रोल, एमबीए मार्केटिंग, एमबीए एचआर, एमबीए आइबी और एमबीए इंटरप्रिन्योरशिप एवं फैमिली बिजनेस में 317 प्रवेश हो चुके हैं। आइएमएस की ओएसडी प्रो. विनीता काचर ने बताया कि जो भी सीटें खाली हैं, उन पर मेरिट के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा।

बीटेक में खाली सीटों पर प्रवेश आज

लवि के इंजीनियरिंग संकाय में संचालित बीटेक प्रथम वर्ष में खाली सीटों पर मंगलवार को प्रवेश का मौका रहेगा। अभ्यर्थियों को अभिलेखों के साथ वित्त अधिकारी लखनऊ विश्वविद्यालय के नाम से 66,080 रुपये का बैंक ड्राफ्ट लेकर आना होगा। इंजीनियरिंग संकाय में पढ़ने वाले बीटेक तृतीय सेमेस्टर के जिन छात्र-छात्राओं ने ब्रांच बदलने के लिए आवेदन किया था, उन्हें भी बुलाया गया है।

पांच ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था पाने में भूमिका निभाएगा लवि

जासं, लखनऊ : पांच ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था को पाने में लखनऊ विश्वविद्यालय भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। विश्व गुरु बनने के लिए नवाचार और सक्षम लोगों की आवश्यकता के अनुसार उच्च शिक्षा संस्थानों के विकास में लगातार कार्य किए जा रहे। विश्वविद्यालय ने सबसे पहले नई शिक्षा नीति लागू करने से लेकर नैक ए प्लस प्लस ग्रेड पाने तक कई उपलब्धियां भी हासिल की हैं। आगे भी प्रयास जारी रहेंगे। लवि के 102वें स्थापना दिवस की तैयारी को लेकर हुई बैठक में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि लवि 102वें वर्ष में अपने पाठ्यक्रम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को शामिल करने और लागू करने वाला पहला विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय ने शिक्षा के उच्च मानकों को स्थापित करने और सीखने के अनुभव को समृद्ध करने के लिए शैक्षणिक, प्रशासनिक और वित्तीय सुधारों का मार्ग प्रशस्त किया है। शैक्षणिक सुधारो, छात्र केंद्रित गतिविधियों, आइसीटी के साथ कक्षाओं का डिजिटलीकरण भी इसमें शामिल हैं। नैक ए प्लस प्लस ग्रेड पाने के साथ-साथ विश्वविद्यालय को क्यूएस, नेचर इंडेक्स, सहित विभिन्न रैंकिंग में भी स्थान मिला।

30 फीसद शिक्षकों की हुई भर्ती : कुलपति ने बताया कि तीन साल के कार्यकाल में 30 फीसद नए शिक्षकों की नियुक्ति की गई, जिससे छात्र-शिक्षक अनुपात में सुधार हुआ। इसके अलावा, विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए भारत से बल्कि अन्य देशों से भी आवेदकों की बढ़ती संख्या में वृद्धि हुई। साथ ही प्लेसमेंट 253 फीसद बढ़ोतरी हुई।

सूचनाएं नहीं भरीं तो रोका जाएगा वेतन

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय से लेकर राजकीय, सहायता प्राप्त एवं प्राइवेट डिग्री कालेजों को 30 नवंबर तक एकेडमिक बैंक फार कालेज एंड यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स आफ उत्तर प्रदेश (अबेकस-यूपी) पोर्टल पर शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं का डेटा अपलोड करना अनिवार्य होगा। ऐसा न करने वाले राजकीय व एडेड कालेजों के शिक्षकों एवं कर्मचारियों का नवंबर का वेतन रोक दिया जाएगा। क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डा. सुधीर कुमार की ओर से सभी कालेजों के प्राचार्यों को इस संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं।

क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी का कालेजों को निर्देश, अबेकस पोर्टल पर शिक्षकों, कर्मचारियों विद्यार्थियों का डेटा अपलोड करना अनिवार्य

दरअसल, राज्य सरकार की ओर से अबेकस पोर्टल बनाया गया है, जिसमें सभी विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों को अपने शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं का डेटा अपलोड करने के लिए कहा गया है। इन सभी को स्वयं भी लागिन पासवर्ड के माध्यम से अपना डेटा भरना है। इसमें शिक्षकों को नाम, पता, शैक्षिक योग्यता से लेकर शोध पत्र, कितने सेमिनार में प्रतिभाग किया व अन्य सभी जानकारियां अपलोड करनी हैं। विद्यार्थियों को भी अपना विवरण भरना है। क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डा. सुधीर कुमार ने बताया कि ज्यादातर कालेजों ने पंजीकरण तो करा लिया है, लेकिन सूचनाएं नहीं अपलोड की हैं। राज्य सरकार की प्राथमिकता में यह कार्य है। इसलिए स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि पोर्टल पर सूचनाएं अपलोड न करने वाले राजकीय व एडेड कालेजों का नवंबर का वेतन रोक दिया जाएगा।

ये आ रही हैं समस्याएं: अबेकस पोर्टल पर डेटा फीड करने में काफी दिक्कत आ रही है। एक कालेज के प्राचार्य ने बताया कि पोर्टल पर कोई भी डेटा यदि त्रुटिवश गलत भर गया है तो उसमें संशोधन का विकल्प नहीं आ रहा। छात्र यदि अपना रोल नंबर डाल रहे हैं तो वह फीड नहीं हो रहा है।

PIONEER PAGE 3

लखनऊ विश्वविद्यालय भी देगा पांच ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी में अपना योगदान

- परिसर में इंक्यूबेशन सेंटर खोलने की मिली मंजूरी, जल्द होगा सरकार के साथ प्रजेंटेशन
- शैक्षिक सत्र 2022-23 में 800 विदेशी छात्रों ने आवेदन कर दिखाई दिलचस्पी

सतीश सिंह। लखनऊ

भारत को वर्ष 2028-29 तक 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था वाला देश बनाने के साथ ही उत्तरप्रदेश की इकोनॉमी को 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँचाने में लखनऊ विश्वविद्यालय अपना सक्रिय योगदान देगा। विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के निर्देशन में इसके लिए प्रयास तेज कर दिये हैं। विवि की तरफ से परिसर में इंक्यूबेशन सेंटर खोले जाने के लिए प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है। यह सेंटर ओएनजीसी बिल्डिंग में प्रस्तावित है। जिससे पढ़ने वाले छात्रों को स्टार्टअप शुरू करने में मदद मिलेगी।

बात 5 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी की हो या फिर 1 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी की, विवि की आय का साधन छात्रों से लिये जाने वाले शुल्क, विवि को प्राप्त होने वाले फण्ड पर निर्भर करती है। ऐसे में विवि को प्राप्त होने वाली आय प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रदेश की अर्थव्यवस्था का एक अंग होती है। इस बार विवि को रिकार्ड संख्या में विदेशी छात्रों के आवेदन प्राप्त हुए हैं। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. पूनम टंडन के मुताबिक 800 आवेदन इस बार विवि को प्राप्त हुए हैं। पहली बार इतनी संख्या में विदेशी छात्रों ने एडमिशन लेने की दिलचस्पी दिखाई है। शायद, इसके पीछे नैक की ग्रेडिंग भी एक बड़ा कारण है। यदि विदेशी छात्रों के आवेदन करने के आंकड़ों पर गौर करें तो वर्ष 19-20 में जहां 77 विदेशी छात्र थे। वहीं 20-21 में

141 और 21-22 में 125 दाखिले हुए थे। वहीं 22-23 में इनकी संख्या 800 तक पहुँच गयी है। ऐसे में विवि का मानना है कि इतनी संख्या में विदेशी छात्रों के विवि में आगमन से जहां प्रदेश की इकोनॉमी को रफ्तार मिलेगी, वहीं देश की अर्थव्यवस्था में भी इसका अंश समाहित रहेगा। वहीं विवि को मिलने वाले फंड भी अर्थव्यवस्था का हिस्सा होंगे। कोरोना काल से दो वर्ष पूर्व विवि को तकरीबन 50 से 60 करोड़ रुपए फंड मिले थे। इनमें कई तो विदेशी संस्थानों द्वारा पोषित थे। कोराना काल में फंड की गति पर विराम जरूर लगा, पर अब विवि की तरफ से इसे बढ़ाने के प्रयास किये जा रहे हैं। बता दें कि विवि से वर्तमान में 540 कालेज जुड़े हैं। जिनमें 2 लाख छात्र अध्ययनरत हैं।

इंक्यूबेशन सेंटर के जरिए स्टार्टअप को मिलेगा बढ़ावा

विवि की तरफ से इंक्यूबेशन सेंटर खोलने को लेकर शासन से स्वीकृति भी मिल चुकी है। शासन स्तर पर मंजूरी मिलने के बाद विवि की तरफ से इस बावत प्रस्ताव भी तैयार किया जा चुका है। अधिकारियों की मानें तो इसका जल्द ही शासन स्तर पर प्रजेंटेशन प्रस्तावित है। विवि में इंक्यूबेशन सेंटर के खुलने से छात्रों को स्टार्ट अप शुरू करने के लिए गुर सिखाये जायेंगे। जिससे छात्र यहां से निकल कर खुद का स्टार्टअप शुरू कर देश व प्रदेश की अर्थव्यवस्था में योगदान दे सकें।

क्या हैं इंक्यूबेशन सेंटर

इंक्यूबेशन सेंटर बिजनेस स्किल्स सिखाने और रिस्क को कम करने का काम करते हैं। इसमें स्टार्टअप फाउंडर को एक्सपर्ट एडवाइज और गाइडेंस मिलती है। ये सेंटर खुद तो स्टार्टअप फाउंडर की फाइनेंशल हेल्प नहीं करते लेकिन इतने इन्वेस्टर्स से मिलवा देते हैं कि फंडिंग की कोई समस्या नहीं होती। इंक्यूबेशन सेंटर्स की साख का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बिजनेस की दुनिया में यह माना जाता है कि जिस आइडिया को इंक्यूबेशन सेंटर ने पास कर दिया, यकीनन उसमें पोटेंशियल होगा।

आंकड़े एक नजर में

वर्ष	विदेशी छात्र
2019-20	77
2020-21	141
2021-22	125
2022-23	800

इन आंकड़ों को देखने से स्पष्ट है कि वर्ष 2019-20 के मुकाबले 2020-21 में लगभग दोगुने विदेशी छात्रों ने विभिन्न कोर्सों में दाखिला लिया। हालांकि 2021-22 में कोरोना के चलते इसमें थोड़ी कमी आयी लेकिन 2022-23 में विदेशी छात्रों का रुझान फिर से लविवि की ओर बढ़ा और 2021-22 के मुकाबले छह गुना से अधिक दाखिले के आवेदन आए हैं।

पांच ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी का प्राप्त करने का लक्ष्य पूरे देश का है। जिसमें 20 फीसद यानी 1 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी का लक्ष्य यूपी का है। ऐसे में विवि की तरफ से इंक्यूबेशन सेंटर के जरिए छात्रों में ह्यमन स्किल्ड डेवलप करने के साथ ही उन्हें ट्रेंड किया जायेगा। जिससे अर्थव्यवस्था को रफ्तार मिल सके। इसमें उपक्रम के जरिए हम दूसरे विश्वविद्यालयों को भी ट्रेंड करने का प्रयास कर रहे हैं। जिससे अर्थव्यवस्था को उस स्तर तक ले जाने के लिए सामूहिक प्रयास हो सकें।

संजय मेधावी
कुलसचिव, लखनऊ विश्वविद्यालय

AMRIT VICHAR PAGE 4

लाइव स्ट्रीमिंग के जरिये देखा जाएगा स्थापना दिवस

अमृत विचार संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय 102 वां स्थापना दिवस 25 नवंबर को मनाया जाएगा। इसको लेकर योजना बनाई जा रही है कि देश व विदेशों में बैठे पूर्व छात्र व शिक्षक भी इसे देखें। इसको लेकर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने वेबसाइट पर लाइव स्ट्रीमिंग को लेकर निर्देश दिए हैं। इसकी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। सोमवार को लविवि के मालवीय हॉल व विभागों में साफ-सफाई, रंगाई-पुताई के साथ लाइट इत्यादि की मरम्मत का काम जारी रहा। इसके साथ ही कुलपति द्वारा बनाई गईं समितियां भी जिम्मेदारियों की तैयारी में जुटी रहीं।

तैयारी

- छह विशिष्ट पूर्व छात्रों को सम्मानित करने की भी की गई घोषणा
- लखनऊ विश्वविद्यालय का 102वां स्थापना दिवस 25 नवंबर को, तैयारियां तेज

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के निर्देशानुसार स्थापना दिवस के कार्यक्रम को बेहतर ढंग से आयोजित करने के लिए आयोजन समिति, रिसेप्शन समिति, लॉ एंड आर्ट समिति, फूड समिति, पब्लिकेशन एंड इन्विटेशन समिति एवं कल्चरल समिति का गठन भी कर दिया गया।

स्थापना दिवस पर कई पूर्व छात्रों को भी आमंत्रित किया गया है। जबकि, देश-विदेश में बैठे पूर्व छात्र-छात्राएं भी घर बैठे समारोह को वेबसाइट पर लाइव स्ट्रीमिंग के जरिए देख सकेंगे। इसकी व्यवस्था की जा रही है। जल्द ही मुख्य अतिथि का नाम भी तय हो जाएगा। इस बार समारोह में छह विशिष्ट पूर्व छात्रों को सम्मानित करने की भी घोषणा की जा चुकी है।

आम लोगों के लिए खुलेगा संग्रहालय व पुस्तकालय

विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के अवसर पर दो दिन के लिए संग्रहालय व पुस्तकालय आम लोगों के लिए खोला जाएगा। यहां जूलॉजी, एंथ्रोपोलॉजी, भू-गर्भ विज्ञान के साथ कई जगह सबसे पुराने संग्रहालय हैं, जिसमें वर्षों पुराने हाथी के दांत से लेकर कंकाल आदि काफी चीजें हैं, जो आकर्षण का केंद्र हैं। टैगोर लाइब्रेरी में बनी राधा कमल मुखर्जी आर्ट गैलरी, कलाकृतियां, साथ ही यहां सोने के पानी से लिखी कुरान भी देखने को मिलेंगी। यहां पुस्तकालय और संग्रहालय में रखी वर्षों पुरानी चीजों को लविवि के छात्रों के अलावा अन्य संबद्ध कॉलेजों छात्र व आम जन भी देख सकेंगे।

पीएचडी मनोविज्ञान की कक्षाएं 5 दिसंबर से

अमृत विचार, लखनऊ। पीएचडी सत्र 2021-22 के मनोविज्ञान विषय की कोर्सवर्क कक्षाएं पांच दिसंबर से शुरू होंगी। इसकी सूचना विभाग के नोटिस बोर्ड पर लगा दी गई है। साथ ही कक्षाएं विभागीय वेबसाइट पर दी गई समय सारणी के अनुसार आयोजित होंगी। विवि ने सभी पीएचडी मनोविज्ञान के छात्रों से अपने अभिलेख व प्रपत्र सत्यापन तीन दिसंबर तक कराने के निर्देश दिए हैं। सभी छात्र सुबह 11:30 बजे मनोविज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय में उपस्थित हों।

TOI PAGE 3

In a first, LU alumni to take the stage on foundation day

Times News Network

Lucknow: For the first time, former students of Lucknow University (LU) will be performing during the cultural event to celebrate their alma mater's 102nd foundation day on November 25.

Besides, university's foreign students will also be presenting their talent at the newly revamped Malviya Hall which has been given a theatre-like look.

The cultural celebrations will begin with a Bharatnatyam performance by a former student Rituparna. A group of 12 former and present students will be presenting a

CELEBRATING TALENT: The newly revamped Malviya Hall has been given a theatre-like look

dents Shazia Khan and Shu- casion. ger stage to perform during

Prasoon, Dastangoi and others," said director LUs' Sanskritiki board prof Rakesh Chandra.

He said also a portrait of educational reformer Pandit Madan Mohan Malviya made by the students of Arts College will be placed at Malviya hall.

"After almost over a decade LU's Malviya hall has been revamped and given a theatre-like look with 315 chairs, a centralized air conditioning system and a special lighting facility. University's foundation day will be the first event to be held at the hall after revamp," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.